॥ ॐ [illegible] नमः [illegible] ॥

[illegible]

[illegible] नवनि [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] कायविशो

[illegible]

[illegible] वकीनिम [illegible]

[illegible] पाये [illegible]

[illegible]

[illegible] वजा [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

नि[illegible]स्वा॥ हूं नमः न्हु विग्नि हं स्वा हु हूं [illegible] ला[illegible]नि॥ नं
नः [illegible] ॐ [illegible] नमः॥ ॐ [illegible] नमः [illegible]
[illegible] ला॥ [illegible] नमः [illegible] ला॥ ॐ
[illegible] नमः स्वाहा॥ ॐ [illegible] नमः स्वाहा॥ ॐ [illegible]
[illegible] नमः [illegible] हूं॥ ॐ [illegible] नमः [illegible]

स्वाव्रीय

स्वा॥ [illegible] स्वाहा नः स्वाहा [illegible] नमः॥ ॐ ह्रीं [illegible] नमः
॥ ॐ हूं सः [illegible] नमः॥ ॐ [illegible] विद्ये [illegible] नमः॥ ॐ [illegible]
२ [illegible] नमः॥ ॐ [illegible] नमः॥ ॐ [illegible]
[illegible] नमः॥ ॐ [illegible] नमः॥ ॐ [illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः॥ ॐ [illegible] नमः॥ ॐ [illegible]

म [illegible] ॥ ॐ विद्यु[illegible] नमः ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ ॐ [illegible] नमः ॥ [illegible]

[illegible] नमः ॥ ॐ [illegible] नमः ॥ ॐ [illegible] मुक्तिनिधये न

मः ॥ ॐ [illegible] नमः ॥ ॐ सूक्ष्माय नमः ॥ ॐ [illegible]

[illegible] नमः ॥ ॐ [illegible] पद्माय नमः ॥ ॐ [illegible] ॥

[illegible] नमः ॥ ॐ [illegible] ॥ ॐ [illegible] नमः [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ताम्र नक्त्वाय नमो हूं ॥ नमो कृ नमो नक्त महि म्ला हिली

नम स्वा हिली बुम्ह घुत्राम स्व मोयि लेय माद किन लेरु नेग

सतल नल ३ ताप निकन त्रुरु मा ख्व कामा [illegible] न्मुके ह

विनदु लुहिहो तास म न्हु म्हे न नर कु गिगि संकु कुत्ता ह्रू

याया नमो बुद्धाय गुरु न्वं न धर्माय नमो [illegible] नमः संघा

सुम कुन त्रि तार्य पि समन नंन त ॥ सर्व बुद्ध नमस्या मि थे

मक्ष जिन ताथि नी संघ व माल हं पर्व नैक्ष्य त्रय नमो कुन

रक्ष त्रयं म न नं. सर्व बुद्ध तिदि गा ख्य घं ॥ ओं नमः नंडेगेः

लुम्बी. बुद्ध थां. ल्हे कवे मन ॥ ओं वा. ल्हो मा नमं यामि. बुद्ध थं

म्ले मनाल मं. वो. ल्हो खिल क गाम्य स्व य ना धे त्रिहि स्थ य ॥

उत्पादयामि वनबाधे विलं निमंत्रयामि जाह्न तर्हे स्थं

नाठं हेव वि घ वनबाधवि का वृ धा हवि स्ले ड ग नाहि

गाय ॥ के सर्व सिद्ध पा धा नः धन्या नि बान्ह ली प नी ह्न दे पवी

मवत्रि षामि जू याह्ना गधाय धीम याबा लेन मह न स्वर्लिं

विस्वाद भाग म धे ष्ठ कूस्याव ग्रसाव घ पुह्ना ध्याव बधाम व

वाम द ल्ह यद सब मय न थ न नाम ग्र क्ष्मि न ह्म म जलि

ह्रु स्व ली स्व धु प्र लिय ह नि ध्यन ह जा गाय म हु नी न ह्रि ग

ग क्षै तु नाय का धान ह्र के मि द नी थ न के हे य पू न मया ॥

य थान न थ ग गा जा या आ अर्हे स्नी हिं म्य सू वृ ह्व वृ ध्व ह्न में

न वृ ध्व व कु धाजा न क्षि य ध नि ह ह्ने ग ल न ह्ल जे जा गि कैं

थलिकार्यं, यत्स्व शार्वं यलक्रम य यात्कर्मगयासीविधग, गल्कू
गलमूलेनिद्यमनूक्तनायींसम्यक्कीश्वाखोनथाद्रूपत्रिमामयो
मि॥तथागमानेन समान कालं, लाकस्य इ ४ स्वबहूबाद्यं
स्वाहत्रुंडूकऊक स दाल्ह, लकिलमप्रकोपंवयथेवला
नाहाह्वग्रु, गानस्त मिमा नमावाऊहूकथाचागमथाग

गावा॥सर्व्व प्रक्वानेऊ मगाह्निनायकृयीत्स्यऊ ईस्वस्वसंति
नाया॥ओं ह्रिं आ वमनर्थ क्रमनेप्रलिद्धः स्वाहा॥ ४॥ संस्थ हाव
गुधसर्व्व धंमानीह्नानवऊ श्वराल्मकोा दं वा हं ४॥ ऊं धर्मा
दुउप्रलावा कूवस्यर्द्धी यालिदूघचचवादिमहातन
मनें॥ओं हूंल्लायस्वाहा॥ ओं ऊमाय स्वा॥ ओं वनृमोयस्वा

हा॥ ॐ कुवेराय स्वाहा॥ ॐ अग्नये स्वाहा॥ ॐ नैरृत्य
हा॥ ॐ वायवे स्वाहा॥ ॐ ईशानाय स्वाहा॥ ॐ ब्रह्म
णे स्वाहा॥ ॐ सूर्य्यग्रहाधिपतये स्वाहा॥ ॐ चन्द्रग्रहाधि
पतये स्वाहा॥ ॐ पृथिव्यै स्वाहा॥ ॐ नागेभ्य स्वाहा॥ ॐ
अनन्ताय स्वाहा॥ ॐ सर्व्वदिग्लोकपालेभ्य स्वाहा॥

दनीश्रीकृ॥ हू श्रीगुवजीसदन्वपधेरिमकूगकृनुद॥
लिविलिमकृगुहजभालिमनिलयलिपथअुयायनिवाय॥
धूनाधिपरथ॥ हूस्यानरलुमाम्रिपगिदरदवाऊ उषौयपौवउ
कृयिनामहृदव्याऊवातनमलाकुविथिवनाम्रधनाधना
कुक गक्षौसमना॥ प्रतिप्रनिल्यकनिवदयकुम्बकल्लिक

त्येवद्दिसमहतहतागच्छन्तुकुह्लाभगवतेसमन्तास

मत्रदानसगर्भंगसन्ध्यायाप श्रीवलिधूपंविनिपंनव

गच्छन्तुन्तुॐन्तुपीवन्तुचेदंॐदंवकेमसद्दलीदु

घन्तु। ॐ मनकुन्तुलिवलिॐआहहह स्वाहा॥ ॐ

नमानहन्तुबायाय॥ ॐ नमवन्तुवज्रपाणयो॥ ॐ नमामहा

वजक्रोधाय महाप्रज्ञा हुं फट् हेनवायाय॥ ॐ सिमम स्वन

वलगपाणमहीनहकायाय॥ ॐ अमनकमलिवज्रस्व

स्वस्वाहि स्वाहि तिष्ठ तिष्ठ वन्ध वन्ध हन हन दह दह

हपच पच गर्जं गर्ज विस्फोटय विस्फोटय सर्वं वि

घ्नविनायकानीमहागनपतिजीवितान्तकाय॥

न हूँ हूँ फट् फट् फट् स्वाहा ॥ बलि समर्पयामि पहान धूजा ॥ दङ
धूजा वायाजेव धंवा ॥ तकाश्राम्न दें सव धूमालौमाह्य
थैनै द ल्वा ॐ आः हूँ फट् स्वाहा ॥ नल्वौं श्रीवज्र वानादि
मन्कमू क्लि दिन थ्यनि त्रल्व गावन दाति नं सिद्धि सि
षिवल पुरा वायपनिं थ्व महा ह्न नं श्रीसम्वल नमा

फुनं ॥ ॐ वज्रसत्व समयमनुपालय वज्रसत्व त्वेनो
पतिष्ठ दृढो मे भव सुतोष्यो मे भव सुपोष्यो मे भव अ
नुरक्तो मे भव सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ सर्वकर्मसु च मे चि
त्तं श्रेयः कुरु हूँ ह ह ह ह होः भगवन् सर्वतथागत वज्र मा
मे मुञ्च वज्री भव महासमयसत्व आः ॥ ६,६,१ ॥
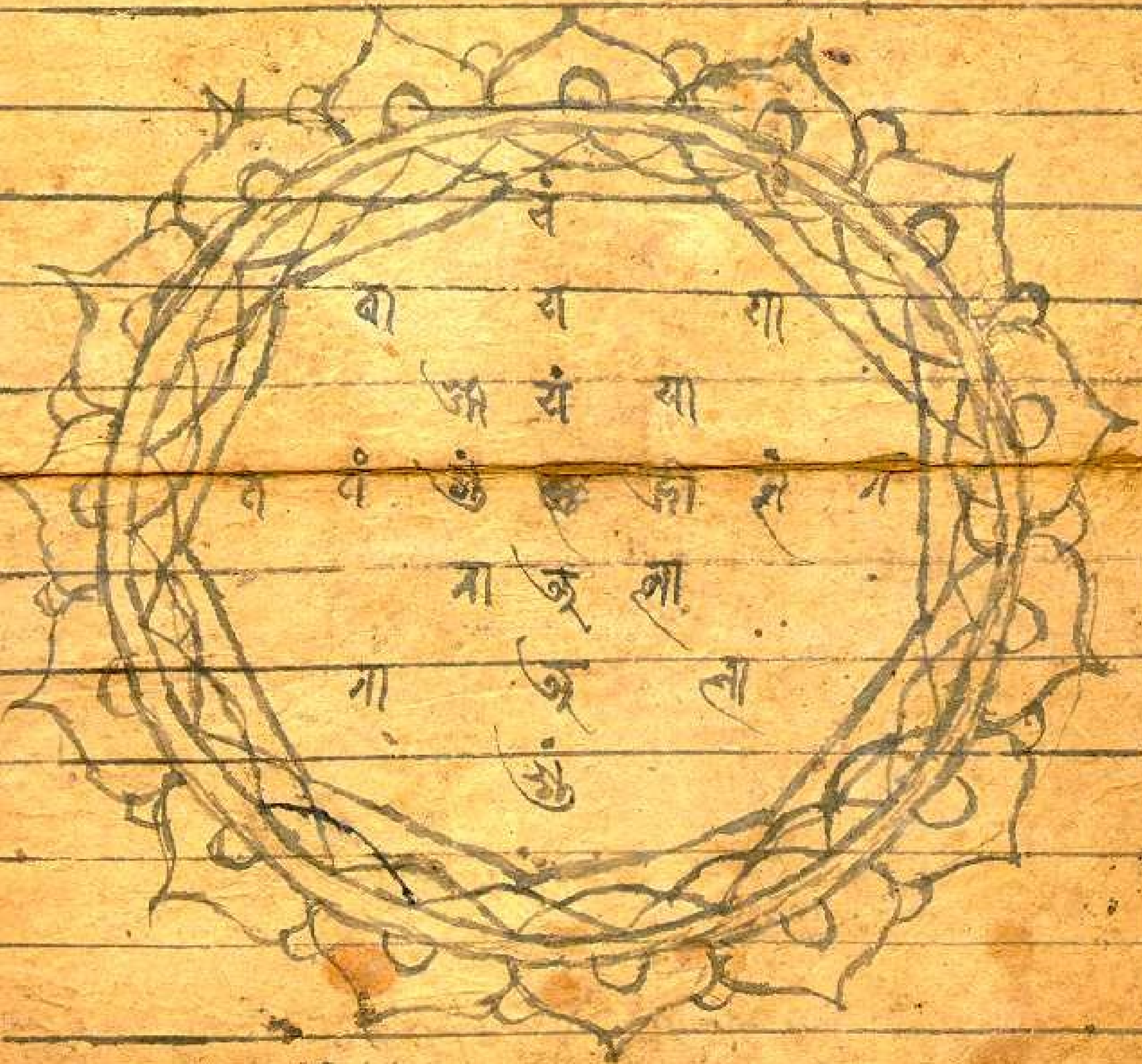
वजमङ्गलमू॥ इति गुह्यसमाज समाप्त॥ [illegible]॥